Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
तृतीय सेमेस्टर

प्रथम पत्र– प्रथम

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई. 15

इकाई –1

व्याख्यांष :–

1. मैथिलीषरण गुप्त : सांकेत का नवम सर्ग
2. जयषंकर प्रसाद : कामायनी चिंता, श्रद्धाए इडा सर्ग

इकाई–2

मैथिलीषरण गुप्त से संबधित समीक्षात्क प्रष्न

इकाई–3

जयषंकर प्रसाद से संबधित समीक्षात्मक प्रष्न

इकाई–4

आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तिया।

इकाई–5

द्रुत पाठ से निर्धारित कवि जगन्नाथदास रत्नाकर अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, महादेवी वर्मा और बालकृष्ण शर्मा नवीन–परिचय एवं रचनात्मक योगदान।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य

तृतीय सेमेस्टर
प्रथम पत्र– द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई. 15

इकाई –1

भाषा और भाषा विज्ञान– भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य। भाषाविज्ञान का स्वरुप एवं अध्ययन की दिषाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई –2

स्वन प्रक्रिया– स्वरूप और शाखाएँ, वागयंत्र और उनके कार्य, स्वनिम की अवधारणा–स्वनों का वर्गीकरण, स्वन–गुण, स्वनिक–परिवर्तन।

इकाई –3

व्याकरण– रूपविज्ञान का स्वरूप, रूपित की अवधारणा, वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य–विष्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना।

इकाई –4

अर्थविज्ञान–अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिषाएँ।

इकाई –5

साहित्य और भाषाविज्ञान का अतः संबन्ध साहित्य अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य

तृतीय सेमेस्टर
प्रथम पत्र– तृतीय
हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई. 15

इकाई –1

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, एवं इतिहास लेखन की समस्याएँ।

इकाई –2

हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यक प्रवृत्तियॉ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रवृत्तीया, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनात्मक और उनकी रचनाएँ।

इकाई –3

पूर्वमध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सास्कृतिक चेतना एवं भक्तिआन्दोलन, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका विष्लेषण, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और प्रमुख सूफी कवियों का अवदान।

इकाई –4

रामकाव्य और कृष्णकाव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनात्मक वैषिष्टय।

इकाई –5

उत्तर मध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामाकरण, विविध धाराऐं (रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ और विषेषताएं।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रथम पत्र (वैकल्पिक)
हिन्दी साहित्य का इतिहास
1.सूरदास

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाई–1	प्रारम्भ से मथुरागमन के पूर्व तक के पदों से व्याख्याए पूछी जायेगी। (सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा)
इकाई–2	निर्धारित पद (प्रारंभ से मथुरागमन से पूर्व तक) आलोचनात्मक प्रष्न।
इकाई–3	युगीन पृष्ठभूमि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, परिस्थितियाँ।
इकाई–4	सूरदास का जीवनवृत्त, अंतः साक्ष्य, बाह्य साक्ष्य।
इकाई–5	द्रुतपाठय कुम्भनदास, कृष्णदास, परमानन्ददास

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रथम पत्र (वैकल्पिक)
हिन्दी साहित्य का इतिहास
2.जयशंकरप्रसाद

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाइ–1	पाठ्य रचनाएँ 'कंकाल एवं तितली' उपन्यास, कहानी – ''आकाषदीप '', पुरस्कार गुण्डा व्याख्यात्मक –2–2
इकाई–2	प्रसाद का काव्य : कामायनी का समीक्षात्मक अध्धयन।
इकाई–3	छायावाद और प्रसाद।
इकाई–4	प्रसाद की निर्धारित कहानियों और उपन्यास पर समीक्षात्मक प्रष्न।
इकाइ–5	द्रुतपाठ–प्रेमचन्द्र, वृन्दावनलाल वर्मा, अमृतलाल नागर निराला का औपन्यासिक योगदान।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रथम पत्र (वैकल्पिक)
हिन्दी साहित्य का इतिहास
3. तुलसीदास

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाई–1	पाठय विषय– तुलसीदास–रामचरित मानस, (गीता प्रेस–गोरखपुर) व्याख्यांष– रामचरित मानस – बालकाण्ड, आयोध्याकाण्ड,
इकाई–2	तुलसीदास युगीन पृष्ठभूमि : सामाजिक, राजनीतिक, एवं आर्थिक परिस्थितियां
इकाई–3	रामचरित मानस से संबधित प्रष्न
इकाई–4	हिन्दी में राम काव्य परम्परा और उसके अन्य कवि।
इकाई–5	द्रुतपाठ– दोहावली, पार्वती मंगल, जानकी मंगल।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रथम पत्र (वैकल्पिक)
4. कथाकार प्रेमचन्द्र

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाइ–1	गोदान, एवं प्रेमाश्रम उपन्यास कहानी बूढी काकी, बडे भाईसाहब, शजरंज के खिलाडी (व्याख्या–गोदान से–2 एवं एक शतरंज के खिलाडी से)
इकाई–2	प्रमचन्द्र : युगीन परिवेष
इकाई–3	हिन्दी उपन्यास परम्परा और प्रेमचन्द्र
इकाई–4	हिन्दी कहानी य उद्‌भव और विकास
इकाइ–5	द्रुतपाठ – विष्वपाठ नाथ शर्मा कौषिक, वेचन शर्मा उग्र, भगवती प्रसाद बाजपेयी वदावनलाल वर्मा : रचना एवं रचनाकार।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रथम पत्र (वैकल्पिक)
5. अनुवाद विज्ञान

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाई–1	अनुवाद कला : अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ।
इकाई–2	अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विष्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना।
इकाई–3	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार–कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।
इकाई–4	अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ : वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ।
इकाई–5	कोष एवं परिभाषिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएँ। मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याए।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रथम पत्र (वैकल्पिक)
6. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाई–1	माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
इकाई–2	रेडियो नाटको का इतिहास, पाठ्य नाटक और रेडियों नाटक का अंतर।
इकाई–3	टी.वी. नाटक की तकनीक एवं प्रयोग।
इकाई–4	साहित्यिक विधाओं की दृष्य–श्रव्य रूपांतरण–कला पटकथा लेखन।
इकाई–5	संचार माध्यमों की वर्तमान समय में संभावना एवं चुनौतियाँ।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–प्रथम
आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक –85 सी.सी.ई 15

इकाई–1 पाठ्य विषय

1. सुमित्रानंदन पंत– परिवर्तन, नौका विहार एकतारा
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता
3. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : नदी के द्वीप, सरस्वती पुत्र, असाध्यवीणा
4. गजानंन माधव मुक्तिबोध – ब्रहम राक्षस भूल–गलती।
   (सुमित्रानन्दनपन्त, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, अज्ञेय एवं मुक्तिबोध की कविताओं से व्याख्याष)

इकाई–2 आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियॉ, इतिहास एवं प्रमुख कवि

इकाई–3 छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवत्तियॉ, इतिहास और प्रमुख कवि।

इकाई–4 निर्धारित कवियों पर समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई–5 द्रुत पाठ– रामधारी सिंह दिनकर, हरिवंषराय बच्चन, भवानी प्रसाद मिश्र, नरेष मेहता (लघुत्तरीय प्रष्न)

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
सेमेस्टरे–चतुर्थ
विषय – हिन्दी–साहित्य
भाषा विज्ञान एवं भाषा
प्रश्न पत्र – द्वितीय

पूर्णांक –85 सी.सी.ई 15

इकाई–1

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विषेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत–षैरसेनी, अर्द्धमागधी,मागधी, अपभ्रंष और उनकी विषेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण

इकाई–2

हिन्दी का भौगोलिक विस्तारः हिन्दी की उपभाषाएँ, पष्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियॉ। खड़ी बोली, ब्रज आर अवधी की विषेषताएँ।

इकाई–3

हिन्दी का भाषिक स्वरूपः हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था– खंड्य, खंड्येतर। हिन्दी शब्द–रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक– व्यवस्था के संदर्भ में, हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम विषेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य–रचनाः पदक्रम और अन्विति।

इकाई–4

हिन्दी के विविध रूपः संपर्क–भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम–भाषा, संचार–भाषा, हिन्दी की सांविधानिक स्थिति।

इकाई–5

हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँः ऑकड़ा–संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी–षोधक, मषीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा–षिक्षण। देवनागरी लिपिः विषेषताएँ और मानकीकरण

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
सेमेस्टरे–चतुथ
प्रश्न पत्र – ततीय
विषय – हिन्दी–साहित्य का इतिहास

पूर्णांक –85 सी.सी.ई 15

इकाई–1

आधुनिक काल :

. 1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण।

भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विषेषताएं।

इकाई–2

. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकाल, रचनाए और साहित्यिक विषेषताएं। हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, राचाएं और साहित्यिक विषेषताएँ।

इकाई–3

उत्तरछायावाद की विविध प्रवृतियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्कार, रचनां और साहित्यिक विषेषताएं।

इकाई–4

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएं कहानी, उपन्यास, नाटक निबन्ध आदि।

इकाई–5

संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास। हिन्दी आलोचना का उद्‌भव एवं विकास। स्त्री विमर्ष और दलित विमष।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र –
1. सूरदास

पूर्णांक –85 सी.सी.ई 15

इकाई–1
मथुरागमन से अंत तक की व्याख्याएं सूर सागर सार (संपादक धीरेन्द्र वर्मा, लोकभारती इलाहबाद)

इकाई–2
भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विविध काव्य धारए।

इकाई–3
कृष्णभक्ति काव्यधारा का परिचय, प्रवृत्तीयॉ एवं अष्ठछाप के कवि।

इकाई–4
सूरदास पर आलोचनात्मक प्रष्न।

इकाई–5
लघुउत्तरी प्रष्न – चतर्भुजदास, नन्ददास, रसखान, मीरा, साहित्यिक परिचय एवं अवदान

1. इतिहास और आलोचना : डॉ. देवीषंकर द्विवेदी राजकमल प्रका. न. दि.
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. राजकुमार वर्मा (दो भाग), साहित्य भा. इलाहाबाद
3. हिन्दी साहि. का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नेषनल पब्लि.न. दि.
4. हिन्दी साहि. का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र, नेषनल पब्लि. न. दि.

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र –
2. जयशंकर प्रसाद

पूर्णांक –85 सी.सी.ई 15

इकाई 1

व्याख्यांष
पाठ्य रचनाए– स्कन्दगुप्त
चन्द्रगुप्त
कामना
अजातषत्रु

इकाई 2

हिन्दी नाटक परम्परा और प्रगति तथा प्रसाद की नाट्य यात्रा।

इकाई 3

प्रसाद के नाटको की पृष्ठभूमि, रंगमंचीय परिकल्पना, तथा नाट्यषास्त्रीय चिंतन।

इकाई 4

प्रसाद के पाठ्य नाटको पर आलोचनात्मक प्रष्न।

इकाई 5

दुतपाठ– सेठ गोविन्ददास, भुवनेष्वर, मोहन राकेष, सुरेन्द्र वर्मा, लक्ष्मीनारायण लाल।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र –
3. तुलसीदास

पूर्णांक –85 सी.सी.ई 15

इकाई 1

पाठ्य विषय –तुलसीदास :– रामचरित मानस, कवितावली, विनय पत्रिका (गीता प्रेस गोरखपुर)

इकाई 2

व्याख्यांष – रामचरित मानस – सुन्दरकांड, उत्तर कांड, विनयपत्रिका।

इकाई 3

तुलसीयुगीन पृष्ठभूमि, जीवन एवं कृतित्व।

इकाई 4

तुलसी की भक्ति, दर्षन तथा कृतियों से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई 5

द्रुतपाठ– रामभक्ति धारा के अन्य कवियों का अवदान रामानन्द, विष्णुदास, केषवदास।

एम.ए. हिन्दी साहित्य
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र –
4. कथाकार प्रेमचन्द

पूर्णांक –85 सी.सी.ई 15

इकाई 1

व्याख्यांष

1. गबन
2. रंगभूमि
3. कहानी– ठाकुर का कुआॅ– मंत्र, कफन, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दरोगा, कजाकी, सदगति।

इकाई 2

प्रेमचन्द जीवन एवं रचना यात्रा : उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता।

इकाई 3

प्रेमचन्द के पाठ्य उपन्यासों की समीक्षा।

इकाई 4

प्रेमचन्द के पाठ्य कहानियों की समीक्षा।

इकाई 5

द्रुतपाठ–जैनेन्द्र कुमार, यषपाल, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र –
5. अनुवाद विज्ञान

पूर्णांक –85 सी.सी.ई 15

इकाई 1

अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ।

इकाई 2

अनुवाद कला, विज्ञान या षिल्प। अनुवाद की इकाई : शब्द पदबन्ध, वाक्य, पाठ तथा अनुवाद के उपकरण– कोष, परिभाषिक शब्दावली, कम्प्यूटर

इकाई 3

अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधी : विष्लेषण, अन्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्त्रोत भाषा के पाठ का विषलेषण एवं उनके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ संप्रेषण की प्रक्रिया, अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति।

इकाई 4

अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत। अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार– कार्यालयोन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।

इकाई 5

अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याए, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ। विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

एम.ए. हिन्दी साहित्य
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र –
6. दृष्य–श्रव्य माध्यम लेखन

पूर्णांक –85 सी.सी.ई 15

इकाई 1
हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई 2
रेडियों नाटक के प्रमुख भेद– रेडियों धारावाहिक, रेडियों फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्यूमेन्टी फीचर)

इकाई 3
टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यू ड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य–वैषम्य।

इकाई 4
इलैक्ट्रानिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन, संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि। सचार माध्यामो द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा। विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।

इकाई 5
संचार माध्यमों की भाषा।
हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतिया।`